बैंगलोर कुमारापार्क सेवाकेन्द्र पर दिनांकः 9 जनवरी, 2009 के दिन **प्रभावशाली प्रशासन के लिए स्व–प्रबन्धन का बुध्धिचातुर्य (Self-Management Skills for Effective Administration)** विषय पर आयोजित सेमीनार का संक्षिप्त समाचार

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विघालय, कुमारापार्क, बैंगलोर सेवाकेन्द्र तथा प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा प्रभावशाली प्रशासन के लिए स्व–प्रबन्धन का बुध्धिचातुर्य के विषय पर 9 जनवरी, 2009 के दिन परिसंवाद का आयोजन किया गया। इस परिसंवाद में लगभग 250 प्रशासन क्षेत्र से जुडे हुए अधिकारियों ने भाग लिया।

परिसंवाद का उदघाटन दीप प्रज्ज्वलन द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर **आदरणीया राजयोगिनी दादी सरला जी,** उपक्षेत्रीय संचालिका, कुमारापार्क, बैंगलोर ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि, अच्छे प्रशासन के लिए अच्छा बुध्धि चातुर्य के लिए स्वयं का प्रबन्धन करना जरुरी है। सफल प्रशासन का आधार मैनेजमेन्ट कमेटी के सदस्यों के बुध्धि चातुर्य पर होता है, ऐसे ही स्वयं की कर्मेन्द्रियों के शासन का आधार शरीर को चलाने वाली चैतन्य शक्ति आत्मा की आध्यात्मिक शक्तियां एवम् मन की एकाग्रता पर है। इसके लिए राजयोग का अभ्यास करना जरुरी है।

सम्माननीय मेहमान **भ्राता पी. दयानंद पाई**, मैनेजिंग डायरेक्टर, सेन्चुरी बिल्डिंग इन्डस्ट्रीज, बैंगलोर ने प्रभावशाली वक्तव्य में कहा कि चिंतित, दुखी तथा तनावग्रस्त मन वाला व्यक्ति अच्छा प्रशासन नहीं कर सकता है। इसलिए बीती हुई बातों को याद न करो। भविष्य के लिए सोचने में समय व्यर्थ न गंवाना है। लेकिन वर्तमान को अच्छा बनाना है।

सम्माननीय मेहमान **भ्राता आई.एम.कोलार,** रिजियोनल डायरेक्टर, सेन्ट्रल बोर्ड पफॉर वकर्स, एज्युकेशन, भारत सरकार, बैंगलोर ने प्रवचन में कहा कि व्यक्ति को अपने जीवन मूल्यों के आधार पर स्वप्रबन्धन तथा प्रशासन करना है। जिम्मेवारी, विनम्रता, स्व–अनुशासन, सम्मान और स्वमान की भावनाओं जैसे दिव्य–गुणों को अपनाकर बेहतर प्रशासन करना है।

ब्रह्माकुमार हरीश भाई जी, मुख्यालय संयोजक, प्रशासक सेवा प्रभाग, आबू पर्वत ने मुख्य वक्तव्य में कहा कि, मानव जीवन की मूख्य चार पहलू है : शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक। यदि व्यक्ति आध्यात्मिक पहलू पर ध्यान रखेंगे तो और तीन पहलू का प्रबंधन सरल और सफल होता है। इसके लिए मन नियन्त्रण, राजयोग चिंतन, अश्ट आन्तरिक शक्तियों का उपयोग तथा स्व–प्रबन्धन के लिए सुनहरे निर्दिष्ट सिध्धांतों को अपनाना है।

ब्रह्माकुमार रोहित भाई, व्यवस्थापक सदस्य, प्रशासक सेवा प्रभाग, वलसाड ने

वक्तव्य देते हुए कहा कि, आजकल प्रशासन व प्रबन्धन क्षेत्र में तनावपूर्ण परिस्थितियां बढती जा रही है, ऐसे समय में स्व–प्रबन्धन से ही बाह्य जगत के प्रबन्धनों को सहजता से और सफलतापूर्वक कर सकते है। इसके लिए आन्तरिक मूल्यों व शक्तियों का विकास करना जरुरी है। समस्याओं से डरना नहीं है लेकिन निर्भयता से उसे हल करना है। जो बातें स्वयं के नियंत्रण में है, इसे ही उपयोग में लाना है।

ब्रह्माकुमार शैलेष भाई, कार्यकारी सदस्य, प्रशासक सेवा प्रभाग, गोधरा ने ब्रह्माकुमारी संस्था की माहिती एवं प्रशासक सेवा प्रभाग की गतिविधियां बताते हुए कहा कि, ब्रह्माकुमारी संस्था विश्व में अनुपम है क्योंकि मानव जगत के लिए यह संस्था आध्यात्मिक औषधालय, संशोधन केन्द्र, मार्गदर्शन केन्द्र, कार्यशाला, यज्ञशाला, कुम्भ मेला के रुप में विश्व में 130 देशों व भारत में 8500 से अधिक सेवाकेन्द्रों द्वारा कार्यरत है। प्रशासक सेवा प्रभाग भी समस्त भारत व नेपाल में प्रशासनिक क्षेत्र में आध यात्मिक क्रान्ति लाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

ब्रह्माकुमार अस्वतनारायण बैंगलोर ने शब्दों के पुष्पों द्वारा मेहमानों का स्वागत किया। **ब्रह्माकुमारी वीणा बहन,** कार्यकारी सदस्य, प्रशासक सेवा प्रभाग, सीरसी – कर्नाटक ने राजयोग का आधार व विधि बताते हुए सुन्दर रीति से अन्तरजगतकी यात्रा का अनुभव कराया। **ब्रह्माकुमार सुरेन्द्र जी,** व्यवस्थापक सदस्य, प्रशासक सेवा प्रभाग, बैंगलोर ने कुशलतापूर्वक मंच संचालन किया। **ब्रह्माकुमार अजय,** बैंगलोर ने सुन्दर रीति से आभार दर्शन किया।